>

Title : Need to carry out repair work on Narayani river dam in Bihar in order to save the state from devastating floods.

श्री उमाशंकर सिंह (महाराजगंज): महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि नारायनी नदी, जिसे गंडक नहीं कहा जाता है जिसका लगाव नेपाल से है। इसके किनारे रेवा घाट छपरा से गोपालगंज तक तरैया, आकुचक से माधोपुर तक बांध की मरम्मत और ईंटकरण के लिए सरकार द्वारा अरबों रूपए स्वीकृत हैं। इसका टेंडर हो चुका है, लेकिन संवेदक मिट्टी का काम इसलिए नहीं करा रहे हैं कि बरसात के बाद यह कह दिया जाएगा कि यह काम करा दिया है और इसकी लूट-खसोट हो रही है। इससे प्रलयंकारी बाढ़ की संभावना है जिसके चलते हजारों एकड़ फसल और सैकड़ों गांव, छपरा से लेकर गोपालगंज तक बर्बाद होने के कगार पर हैं।

महोदया, हम आपके माध्यम से सरकार से कहेंगे कि सरकार तीनों जिलों के कलेक्टरों और विभाग को निर्देश दे कि वे इसका काम रूकवा दें और इसकी जांच करें और जांच करने के बाद इस रूपये की वसूली की जाए। यही मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है। मिट्टीकरण का काम तो अब हो नहीं पाएगा और मिट्टीकरण का काम नहीं हुआ तो ईंटकरण का काम कैसे होगा? इसलिए हम आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। धन्यवाद।